भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-545
उत्तर दिनांक 23/07/2025 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा उत्पादन

545. श्रीमती कमलजीत सहरावत
श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा
श्री शंकर लालवानी
श्री योगेन्द्र चांदोलिया
श्री भर्तृहरि महताब

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) सरकार द्वारा परमाणु ऊर्जा के स्रोतों में वृद्धि करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में परमाणु ऊर्जा के उपयोग का ब्यौरा क्या है और परमाणु ऊर्जा के उक्त उपयोग को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(घ) सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) वर्तमान में देश में उत्पादित कुल बिजली में नाभिकीय ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 3% है। वर्ष 2024-25 में, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों ने 56681 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली का उत्पादन किया।

(ख) से (घ) सरकार स्वदेशी उत्पादन के संवर्धन तथा विविध स्रोतों से आयात द्वारा नाभिकीय ईंधन स्रोतों को बढ़ाने के प्रयास कर रही है। सरकार ने वर्ष 2047 तक नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 100 गीगावाट तक प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ एक महत्वाकांक्षी नाभिकीय ऊर्जा मिशन की घोषणा की है। इस संदर्भ में, सरकार ने नाभिकीय ऊर्जा में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की बड़े पैमाने पर भागीदारी सक्षम बनाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अतिरिक्त सरकार ने एसएमआर एवं नई प्रगत प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठाए हैं। यह लक्ष्य मौजूदा और विकासाधीन नई उन्नत तकनीकों पर आधारित रिएक्टरों की स्थापना

के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। देश की वर्तमान स्थापित नाभिकीय विद्‌युत क्षमता 24 रिएक्टरों को मिलाकर कुल 8780 मेगावाट है (विस्तारित शटडाउन के तहत आरएपीएस-1 (100 मेगावाट) के अलावा)। इसके अतिरिक्त, कुल 13600 मेगावाट क्षमता (भाविनि द्वारा क्रियान्वित 500 मेगावाट पीएफबीआर सहित) क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है। इसके क्रमिक रूप से पूर्ण होने पर, वर्ष 2031-32 तक स्थापित नाभिकीय विद्‌युत क्षमता 22380 मेगावाट तक पहुंचने की आशा है।

*****